नागदा रतलाम एवं खाचरौद जैन मंदिरों की चोरियों के कुख्यात अपराधी हिरासत में

विगत एक वर्ष से चोरों का एक अंतरराज्यीय गिरोह नागदा,रतलाम एवं खाचरोद के जैन मंदिरों में चोरियों की वारदातें कर रहा था, इससे सम्पूर्ण जैन समाज आदोंलित था। अभी हाल ही में नागदा जैन मंदिर मे हुई चोरी की घटना के बाद जैन समाज ने उज्जैन पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक,उज्जैन को ज्ञापन दिया था। इस संपूर्ण घटनाक्रम को उज्जैन की झोनल पुलिस द्वारा चुनौती के रूप में लिया जाकर श्री सतीश कुमार सक्सेना, पुलिस अधीक्षक,उज्जैन एवं श्री वी.पी.शर्मा पुलिस अधीक्षक,रतलाम के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई जिसके द्वारा रात्रि गश्त को प्रभावी करते हुए चोरों को पकडने के लिए निरंतर प्रयास किये गये।

दिनांक 07.07.09 की सुबह विशेष गश्तीदल आरक्षक राजेश बक्षी जब गश्त से वापस लौट रहा था तो उसे रास्ते में एक व्यक्ति कंधे पर पोटली रखे हालत में जाते हुए दिखाई दिया। उक्त आरक्षक तत्काल उस व्यक्ति को अपनी हिरासत में लेकर सहायतार्थ आरक्षक हरिओम एवं आरक्षक लक्ष्मीनारायण को मंदिर पर बुलवाया एवं तीनों ने मिलकर उससे पूछताछ की तो पता चला की उक्त व्यक्ति ने पिछली रात्रि में ही बोहरावाडी स्थित जैन मंदिर में चौरी की है। उक्त व्यक्ति ने जैन मंदिर में चोरी करना कबूल किया था। अतः पुलिस अधीक्षक,रतलाम के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल द्वारा उक्त आरोपी से गहन पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम राजेश पिता बाबूलाल भीन निवासी बामनिया जिला झाबुआ का होना बताया साथ ही उसने यह भी बताया कि अपने साथी बाबूलाल निवासी शीतला माता मंदिर खाचरौद के साथ मिलकर उसने बोहरावाडी जैन मंदिर चोरी की वारदात की है। उक्त अपराधी द्वारा पूछताछ के दौरान अपने साथियों के साथ मिलकर रतलाम,खाचरौद में दर्जनो चोरियां करना भी कबूल किया है।

यह अंतरराज्यीय गिरोह जैन को इसलिए निशाना बनाता था क्योकि वहा चांदी के बर्तन छत्र कीमती मूर्तियां एवं नगदी आदि आसानी से मिल जाता था। यह गिरोह अर्धरात्रि के समय दरवाजा अथवा खिडकी से मंदिर के पीछे की ओर से प्रवेश करता था। एवं वारदात कर उजाला होने के पूर्व ही वहां ट्रेन या अन्य किसी साधन से चला जाता था। आरोपीगण चोरी का माल रमेश निवासी खाचरौद के माध्यम से व्यवसायियों को बैचते थे। रतलाम पुलिस की सूचना पर नागदा एवं खाचरौद की पुलिस द्वारा बाबूलाल को हिरासत में लेकर उक्त वारदातों का सामन खरीदने के संबध में पूछताछ चल रही है।

आरोपियों के कब्जे से बोहरावाडी स्थित जैन मंदिर के चांदी के छत्र पार्श्वनाथ की मूर्ति एंव नगदी रूपये बरामद किये गये है। जैन मंदिर के अन्य सामान चौरो से सामान खरीदने वाले लोगो से पूछताछ कर बरामद करने के प्रयास किये जा रहे है। ज्ञात रहे की नागदा,खाचरौद एवं रतलाम मै हुई जैन मंदिरों की चौरियों से जैन समाज में काफी प्रतिक्रिया हुई थी एव समाज के द्वारा भी इन चौरियों को पकडने के लिए पुलिस से निरंतर मांग की जा रही थी। इस कुख्यात नकबजन गिरोह से पूछताछ में अन्य चोरियों के पता चलने की भी संभावना है जिसके लिए पूछताछ जारी है। यहां यह उल्लेखनीय है कि नकबजन बाबूलाल पूर्व में उज्जैन पुलिस द्वारा पकडा जाकर एक साल तक जैल में रहा था और वहां इसकी मुलाकात कालू उर्फ रमेश से हुई थी। जिसने जैल से रिहा होने के बाद उपरोक्त वारदाते घटित की है। उम्मीद की जाना चाहिए कि जैन मंदिरों में लगातार हो रही चोरियों की घटनाओं पर इन अपराधियों के पकडे जाने से विराम लगेगा। नागदा,रतलाम,खाचरौद के जैन मंदिर की चोरियों को पकडे जाने से जैन समाज में हर्ष व्याप्त है और इन्होने पुलिस कार्यवाही की मुक्त कंठ से सराहना की है।

इस संपूर्ण अभियान में सबसे उल्लेखनीय कर्तव्य परायणता के लिए आरक्षक राजेश बक्षी को पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन झोन,उज्जैन द्वारा 10000 रूपये नगद से पुरस्कृत किया गया है।